

आत्मश्लाघा: पराजय का कारण (अनुच्छेद)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अति लघूतरीय प्रश्न-

1. शत्य कौन थे?

Ans:- शत्य मद्रदेश के राजा और नकुल-सहदेव के माना थे, जो कर्ण के रथसारथी बने थे महाभारत युद्ध में।

2. कर्ण कौन थे?

Ans:- कर्ण कुंती और सूर्यदेव के पुत्र थे, महान धनुर्धर और दानवीर, जो कौरवों की ओर से लड़े महाभारत में।

3. शत्य को क्या कार्य सौंपा गया था?

Ans:- महाभारत युद्ध में शत्य को कर्ण का रथसारथी बनने का कार्य सौंपा गया था दुर्योधन के आग्रह पर।

4. शत्य ने कर्ण का सारथी बनना क्यों स्वीकार कर लिया था?

Ans:- दुर्योधन के बार-बार आग्रह, सम्मान और कौरवों के प्रति क्रृष्णभाव के कारण शत्य ने यह कार्य स्वीकार किया।

लघूतरीय प्रश्न-

1. आत्मश्लाघा से आप क्या समझते हैं?

Ans:- आत्मश्लाघा का अर्थ है स्वर्यं की अत्यधिक प्रशंसा करना जब कोई व्यक्ति अपने गुणों, शक्ति या सफलता का अहंकार करता है, तो वह आत्मश्लाघा कहलाता है इह विनाश का कारण बनता है।

2. कर्ण के प्रलाप में आत्मश्लाघा का प्रकटीकरण किस प्रकार था?

Ans:- कर्ण ने युद्ध से यहले अपने शौर्य, पराक्रम और अर्जुन को हराने की क्षमता का धमंडपूर्वक बखान किया इह उसका प्रलाप आत्मश्लाघा का स्पष्ट प्रतीक था।

3. शत्य कर्ण के सारथी बनने में क्यों हिचक रहे थे?

Ans:- शत्य कर्ण को सूतपुत्र मानते थे और उसे क्षत्रिय योद्धाओं के समान नहीं समझते थे इसी कारण वे कर्ण के सारथी बनने में हिचकिचाहट महसूस कर रहे थे।

4. आत्मश्लाघा के फलस्वरूप कौए की क्या गति हुई?

Ans:- आत्मश्लाघा के फलस्वरूप कौआ अपनी शक्ति का धमंड करते हुए हंस से मुकाबला करने गया, लेकिन जल्दी थककर समुद्र में गिरने के कगार पर पहुँच गया, फिर हंस ने उसकी मदद की।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. कौए ने किस प्रकार आत्मश्लाघा का प्रदर्शन किया? विस्तारपूर्वक बताइए।

Ans:- कौआ अपनी बढ़ी हुई शक्ति और शारीरिक स्थिति को देखकर घमंड करने लगा बालकों द्वारा उसे श्रेष्ठ माना गया, तो उसने हंसों से मुकाबला करने का निर्णय लिया अपनी उड़ान में कलाबाजियां दिखाकर, उसने अपनी शक्ति का आत्मश्लाघा किया।

2. शत्र्यु ने कर्ण को जूठन खाने वाले कौए का ही उदाहरण क्यों दिया? सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

Ans:- शत्र्यु ने कर्ण को जूठन खाने वाले कौए का उदाहरण देकर उसकी स्थिति पर तंज कसा उन्होंने कर्ण को यह याद दिलाया कि वह केवल दूसरों के द्वारा मिले अविवेकपूर्ण सम्मान के कारण घमंड कर रहा है, जैसे कौआ जूठन खाने पर घमंड करता है।